

उसासी स्त्री. (देश.) क्षणभर सुस्ताने या दम लेने की मुहलत।

उसिआर पुं. (देश.) कूड़ा, कूड़ा-कचरा, रट्टी-माल।

उसीला पुं. (अर.) 1. साधन, जरिया, माध्यम 2. सहारा, सहायता 3. वसीला 4. सहायक वि. (देश.) 5. सुशील, विनम्र 5. कृतज्ञ।

उसीसा/उसीसा पुं. (तद्.) 1. तकिया 2. सिरहाना (पैताना का विलोम)।

उसूल पु. (अर.) 1. सिद्धांत 2. नियम, कायदा।

उसूलन क्रि.वि. (अर.) 1. सिद्धांत रूप से 2. नियमानुसार 3. तथ्यतः 4. नैतिक रूप से।

उसूली वि. (अर.) 1. अपने सिद्धांत, नियम का पालक 2. आधारभूत, बुनियादी।

उस्तरा पुं. (फा.) तीखी धार वाला एक चाकूनुमा औजार जिससे चर्म या त्वचा में उगे बाल उतारे जाते हैं, बाल मूँड़ने का छुरा।

उस्ताद पुं. (फा.) गुरु, शिक्षक वि. 1. चालाक, छली, धूर्त 2. निपुण, प्रवीण।

उस्तादी स्त्री. (फा.) 1. जिसमें उस्ताद होने का भाव या गुण हो 2. किसी प्रकार की शिक्षा देने की निपुणता, दक्षता 3. शिक्षक-कुशलता, गुरुत्व 4. चालाकी, धूर्तता।

उस्तुरा पुं. (फा.) दे. उस्तरा।

उहरि/उहार क्रि.वि. (देश.) 1. किसी आवरण या पर्दे को एक तरफ करके या हटाकर 2. उधार कर।

उहारना स.क्रि. (देश.) 1. रथ/पालकी आदि पर पड़े परदे को हटाना 2. कपड़े के किसी आवरण को हटाना या उठाना 3. उहारना।

उहँ वि. (देश.) उसी, वही जैसे- उहँ ध्यान मन आवत -सूरदास।

ऊ

ऊँटकटेरा पुं. (तद्.) सफेद फूल और गोल छोटे फलों वाली कंटकारी की तरह की कंटीली झाड़ी जिसे ऊँट खाते हैं पर्या. ऊँटकटात।

ऊँगलि स्त्री. (तद्.) दे. 'ऊंगली'।

ऊँघ स्त्री. (देश.) झपकी, अर्धनिद्रा, ओँघाई, उर्नीदापन, तंद्रा।

ऊँघन पुं. (तद्.) ऊँघ, आलस्य, झपकी आना, ऊँघने की क्रिया, ओँघाई, झपकी, उर्नीदापन।

ऊँघना अ.क्रि. (तद्.) नींद और आलस्य को अनुभव करना, उर्नीदा होना, झपकी लेना।

ऊँच वि. (तद्.) 1. ऊँचा या ऊपर उठा होने की स्थिति वाला 2. बड़ा, श्रेष्ठ, उत्तम।

ऊँच-नीच पुं. (तद्.) 1. बड़ा-छोटा, आला-अदना 2. कुलीन-अकुलीन 3. नफ़ा-नुकसान।

ऊँचा वि. (तद्.) उन्नत, बुलंद, महान, बड़े स्तर का मुहा. ऊँचा-नीचा- भला-बुरा, लाभ-हानि; ऊँचा-नीचा बताना- सुझाना, समझाना हानि-लाभ बताना; ऊँचा-नीचा सोचना या समझना- लाभ-हानि विचारना; ऊँची-नीची सुनाना- खरी-खोटी सुनाना; ऊँचा सुनना- केवल जोर की आवाज सुन पाना।

ऊँचाई स्त्री. (तद्.) 1. ऊपर की ओर का विस्तार, उठान, बुलंदी 2. गौरव, बड़ाई, श्रेष्ठता।

ऊँचाना स.क्रि. (देश.) 1. ऊँचा करना 2. उच्च बनाना, उन्नत करना।

ऊँचा-नीचा वि. (तद्.) 1. जो स्थान समतल न हो, कहीं ऊँचा और कहीं नीचा 2. भला-बुरा, फायदा नुकसान 3. मान-अपमान

ऊँचे वि. (तद्.) 1. ऊँचा का बहुवचन, अतिशय ऊँचा, ऊपर की ओर 2. उच्च, उन्नत, प्रतिष्ठित जैसे- ऊँचे लोग 3. जोर से जैसे- ऊँचे